**सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 10 के अधीन आवेदन पत्र**

न्यायालय. ........

वाद नंबर ....... सन् ....

अ०ब०स० .... .... वादी

**बनाम**

स०द०फ० ............. प्रतिवादी

आवेदक निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता हे.

1. यह की आवेदक वादी तारीख ................को इस आदरणीय न्यायलय में प्रतिवादी के विरुद्ध एक वाद दाखिल किया हे.
2. यह की प्रतिवादी ने भी कथित वाद में प्रतिवादी के रूप आवेदक को अभियोजित कर तारीख...........इस आदरणीय न्यायलय में एक वाद दाखिल किया है. प्रतिवादी द्वारा यथा दाखिल किये गए वाद्पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि के इसके साथ संलग्न किया जाता हे और उपबंध “क” के रूप में चिन्हांकित किया जाता हे.
3. यह की प्रतिवादी द्वारा दाखिल किये गए वाद में विवाद्यक के मामले को वादी द्वारा पहले से संस्थित किये गए वाद में उसको वाही प्रत्यक्षता एव सारभूत रूप से भी हे और पक्षकार वाही हे .
4. यह की वादी द्वारा दाखिल किया गया इस आदरणीय न्यायलय में लंबित है .
5. यह की आदरणीय न्यायलय के पास दोनों वादों में दावाकृत अनुतोष को मंजूर करने का अधिकारिकता हे.

**प्रार्थना**

यह सादर निवेदन किया जाता हे की प्रतिवादी द्वारा दाखिल किये गए वाद का विचारण वादी के वाद के अंतिम रूप से सुने जाने तथा निपटाए जाने तथा स्थगित कर दिया जाए.

**वादी**

**द्वारा अधिवक्ता …..**

**दिनांक ............ स्थान……**